Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भूगोल

मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त

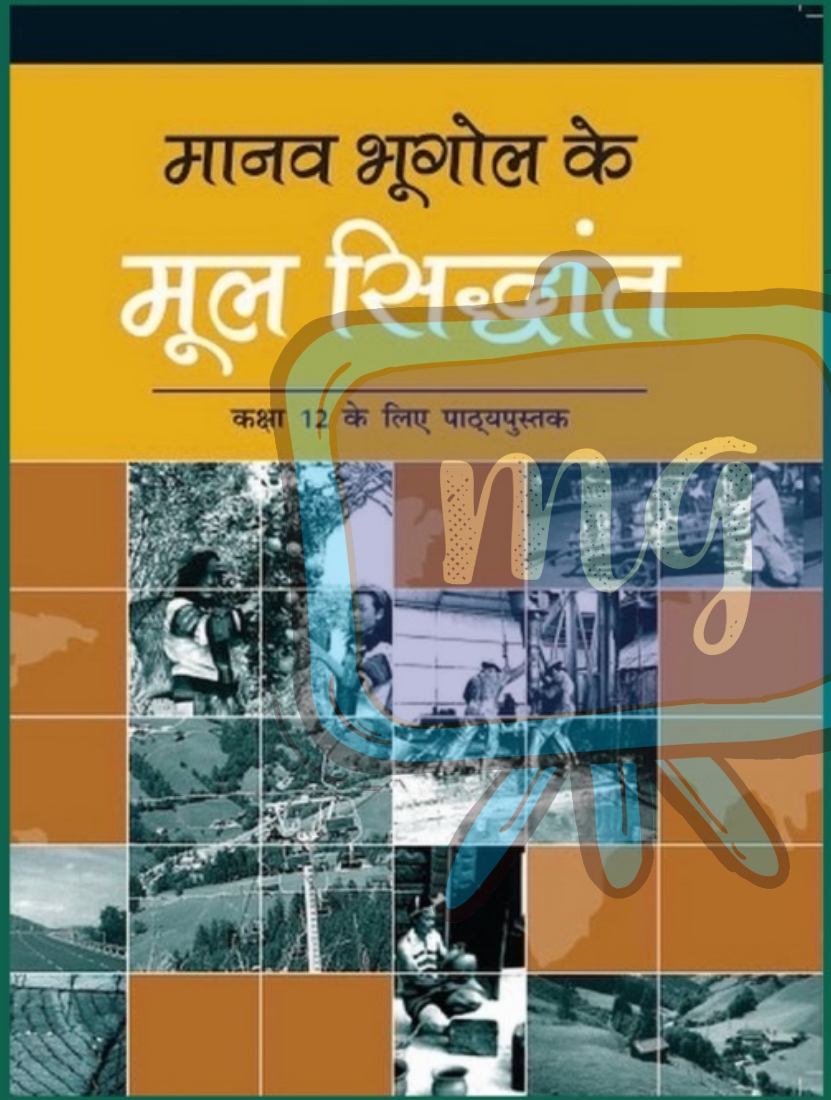
अध्याय–5

द्वितीयक क्रियाएँ

भाग - 1

पंकज वैष्णव

Under CSR Support by
ipca | Foundation



missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विषय सूची

आमुख v
पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन vii

इकाई-1
अध्याय 1
मानव भूगोल
प्रकृति एवं विषय क्षेत्र 1–6

इकाई-2
अध्याय 2
विश्व जनसंख्या
वितरण, घनत्व और वृद्धि 7–12
अध्याय 3
मानव विकास 13–20

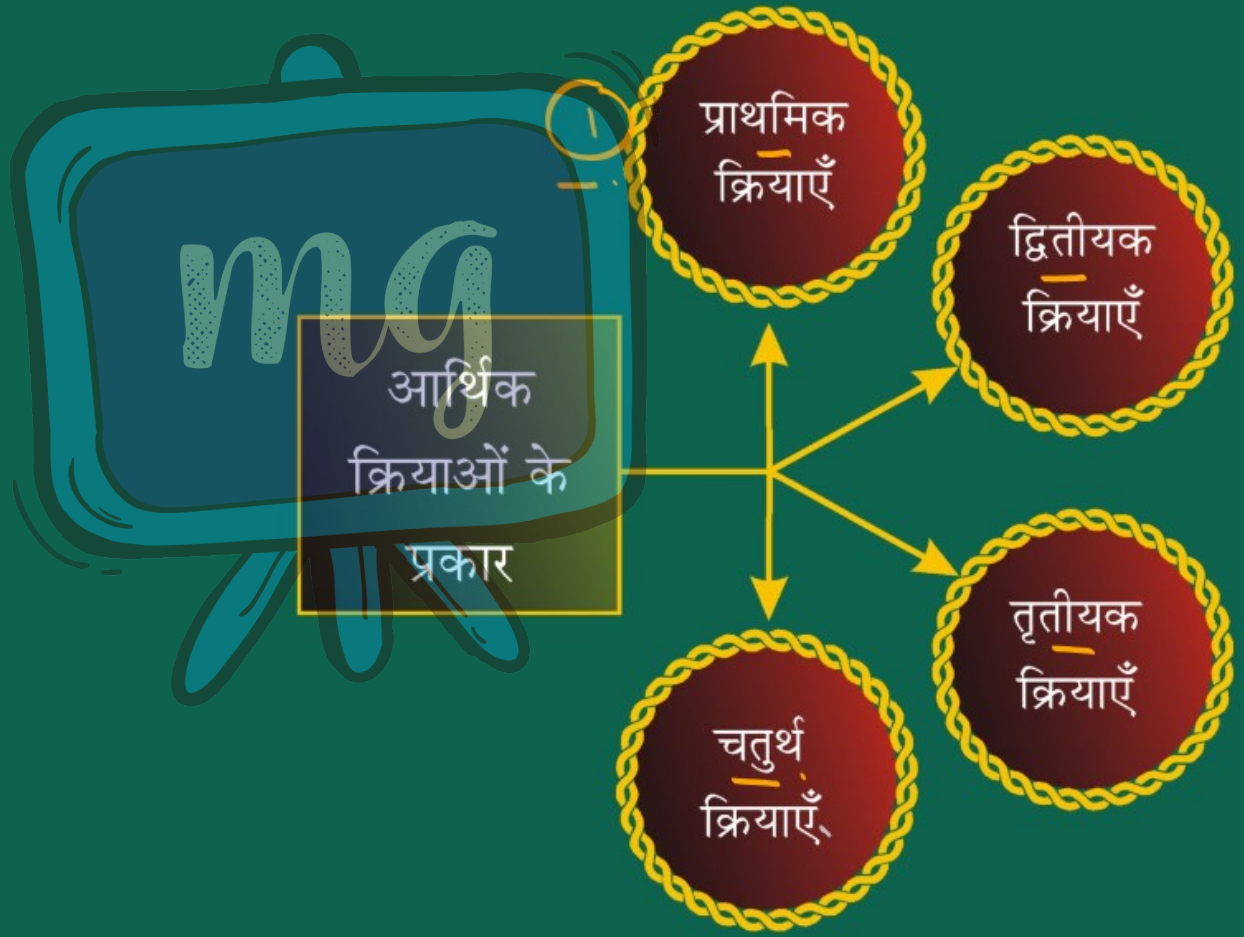
इकाई-3
अध्याय 4
प्राथमिक क्रियाएँ 21–34
अध्याय 5
द्वितीयक क्रियाएँ 35–43
अध्याय 6
तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप 44–52
अध्याय 7
परिवहन एवं संचार 53–69
अध्याय 8
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार 70–77

परिशिष्ट 78–80
शब्दावली 81–84

© NCERT not to be republished

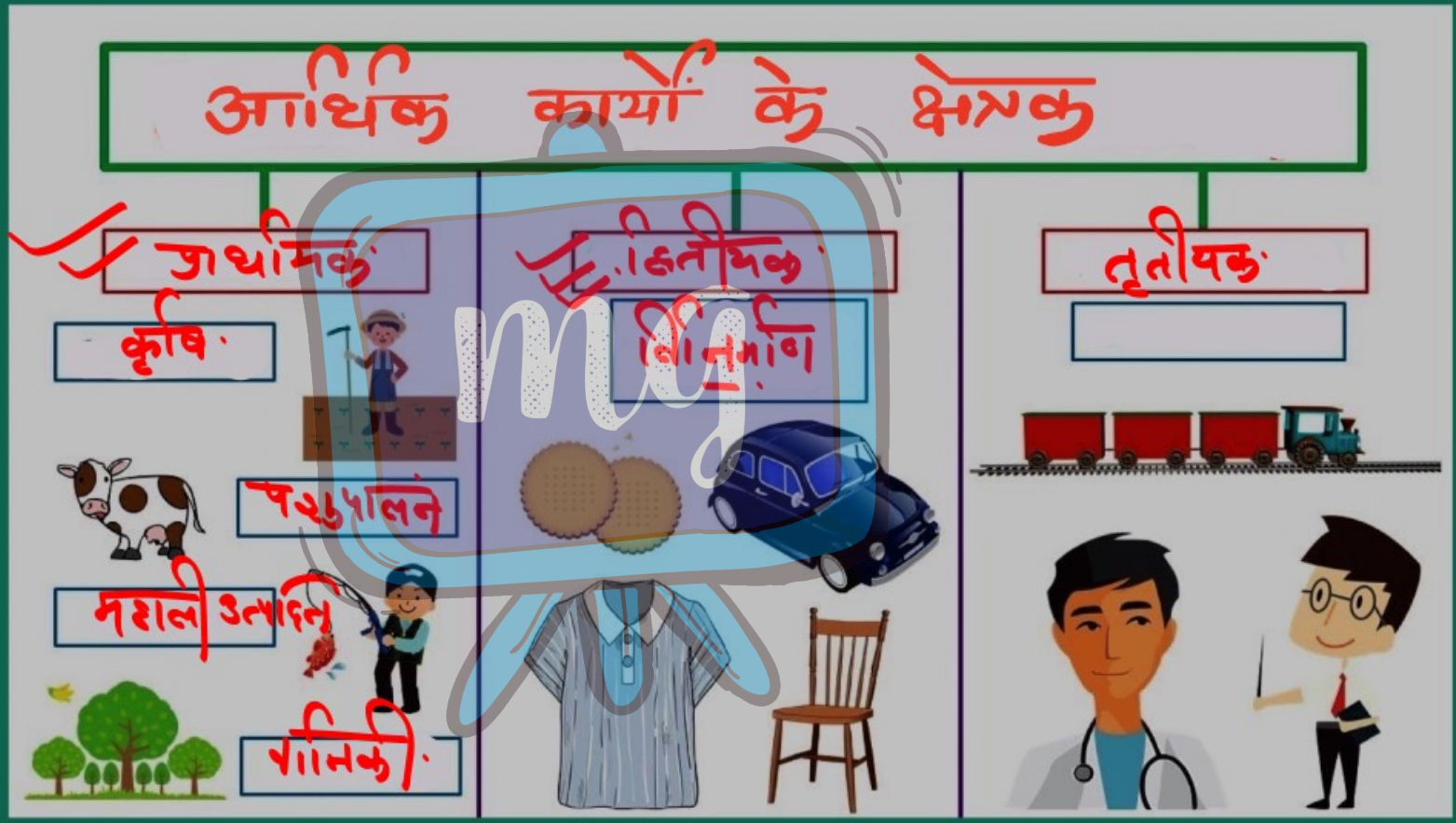
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

द्वितीयक क्रियाएँ



- द्वितीयक गतिविधियों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का मूल्य बढ़ जाता है।
- प्रकृति में पाए जाने वाले कच्चे माल का रूप बदलकर यह उसे मूल्यवान बना देती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



खदानों से प्राप्त लौह-अयस्क का हम प्रत्यक्ष उपयोग नहीं कर सकते, परंतु अयस्क से इस्पात बनाने के बाद यह मूल्यवान हो जाता है, और इसका उपयोग कई प्रकार की मशीनें एवं औज़ार बनाने में होता है।

इस प्रकार द्वितीयक क्रियाएँ विनिर्माण, प्रसंस्करण और निर्माण (अवसंरचना) उद्योग से संबंधित हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

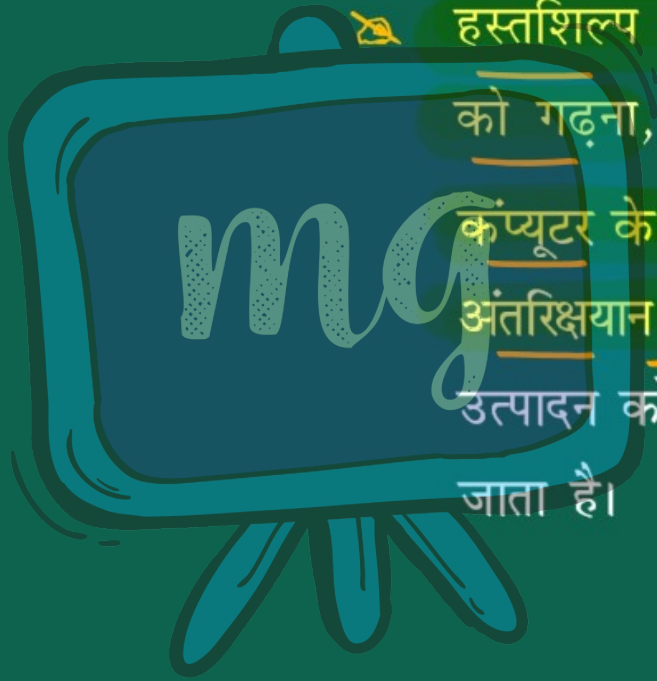
1 विनिर्माण

- विनिर्माण का शाब्दिक अर्थ है 'हाथ से बनाना'।
- विनिर्माण से आशय किसी भी वस्तु के उत्पादन से है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



हस्तशिल्प कार्य से लेकर लोहे व इस्पात को गढ़ना, प्लास्टिक के खिलौने बनाना, कंप्यूटर के अति सूक्ष्म घटकों को जोड़ना एवं अंतरिक्षयान निर्माण इत्यादि सभी प्रकार के उत्पादन को विनिर्माण के अंतर्गत ही माना जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

विनिर्माण प्रक्रियाओं की सामान्य विशेषताएँ

- शक्ति का उपयोग
- वस्तुओं का विशाल उत्पादन
- कारखानों में विशिष्ट श्रमिक
- विनिर्माण आधुनिक शक्ति के साधन एवं मशीनरी के द्वारा या पुराने साधनों द्वारा किया जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आधुनिक बड़े पैमाने पर होने वाले विनिर्माण की विशेषताएँ

1. कौशल का विशिष्टीकरण/उत्पादन की विधियाँ

शिल्प तरीके से कारखाने में थोड़ा ही सामान उत्पादित किया जाता है। जो कि आदेशानुसार बनाया जाता है, अतः इसकी लागत अधिक आती है। जबकि अधिक उत्पादन का संबंध बड़े पैमाने पर बनाए जाने वाले सामान से है जिसमें प्रत्येक कारीगर निरंतर एक ही प्रकार का कार्य करता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. यंत्रीकरण

- यंत्रीकरण से तात्पर्य है किसी कार्य को पूर्ण करने के लिए मशीनों का प्रयोग करना।
- स्वचालित (निर्माण प्रक्रिया के दौरान मानव की सोच को सम्मिलित किए बिना कार्य) यंत्रीकरण की विकसित अवस्था है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Techno

3. प्रौद्योगिकीय नवाचार

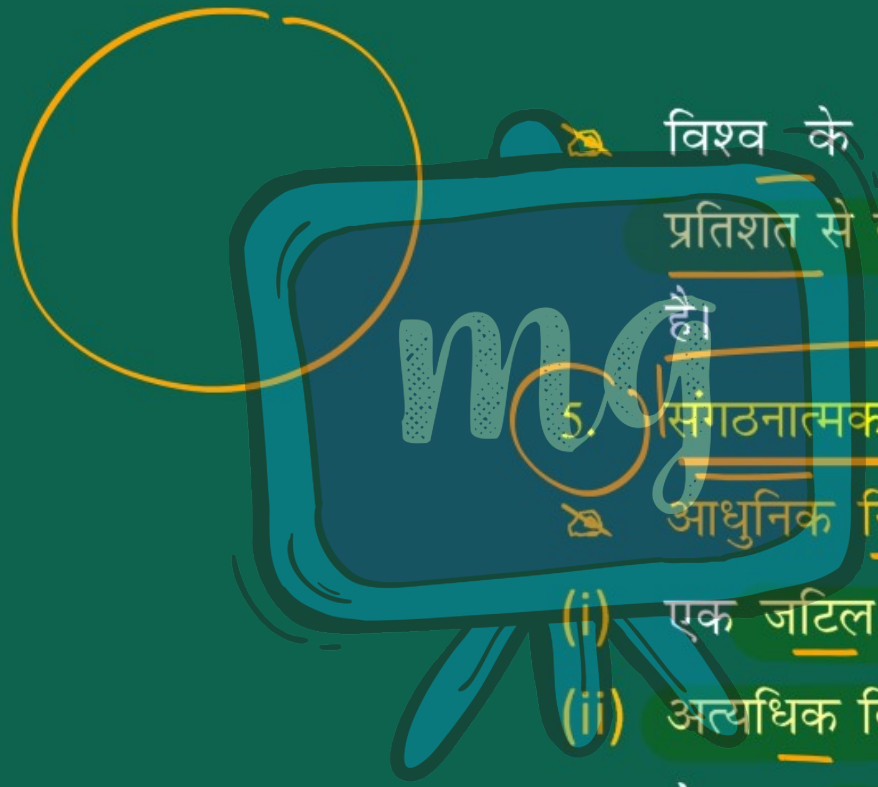
- प्रौद्योगिक नवाचार, शोध एवं विकासमान युक्तियों के द्वारा विनिर्माण की गुणवत्ता को नियंत्रित करने, अपशिष्टों के निस्तारण एवं अदक्षता को समाप्त करने तथा प्रदूषण के विरुद्ध संघर्ष करने का महत्त्वपूर्ण पहलू है।

4. अनियमित भौगोलिक वितरण

- आधुनिक निर्माण के मुख्य संकेंद्रण कुछ ही स्थानों में सीमित हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- विश्व के कुल स्थलीय भाग के 10 प्रतिशत से कम भू-भाग पर इनका विस्तार है।

5. संगठनात्मक ढाँचा एवं स्तरीकरण

- आधुनिक निर्माण की विशेषताएँ हैं-

(i) एक जटिल प्रोद्यौगिकी यंत्र

(ii) अत्यधिक विशिष्टीकरण एवं श्रम विभाजन के द्वारा कम प्रयास एवं अल्प लागत से अधिक माल का उत्पादन करना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



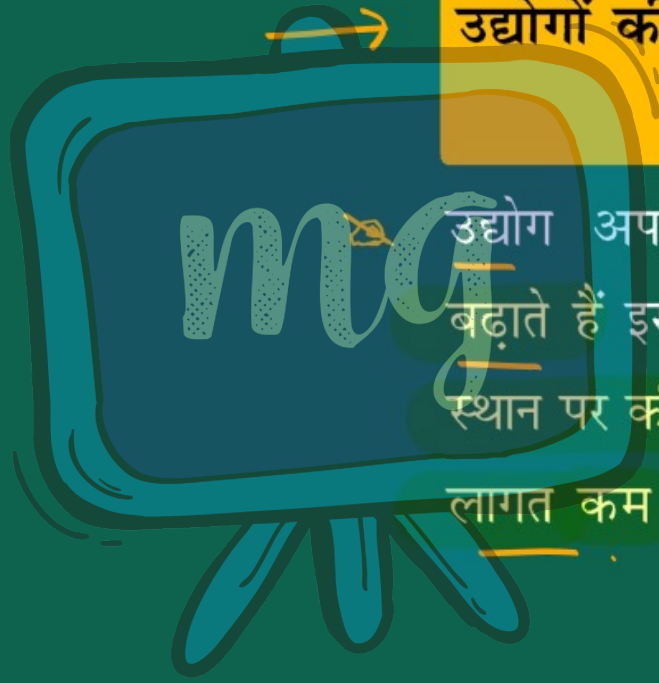
(iii) अधिक पूँजी

(iv) बड़े संगठन एवं

(v) प्रशासकीय अधिकारी-वर्ग

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



उद्योगों की स्थिति को प्रभावित करने वाले कारक

उद्योग अपनी लागत घटाकर लाभ को बढ़ाते हैं इसलिए उद्योगों की स्थापना उस स्थान पर की जानी चाहिए जहाँ पर उत्पादन लागत कम आए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

पृष्ठ ५

1. बाज़ार तक अभिगम्यता

- उद्योगों की स्थापना में सबसे प्रमुख कारक उसके द्वारा उत्पादित माल के लिए उपलब्ध बाज़ार का होना है।
- बाज़ार से तात्पर्य उस क्षेत्र में तैयार वस्तुओं की माँग एवं वहाँ के निवासियों में खरीदने की क्षमता (क्रय शक्ति) है।
- दूरस्थ क्षेत्र, जहाँ कम जनसंख्या निवास करती है छोटे बाज़ारों से युक्त होते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



यूरोप, उत्तरी अमेरिका, जापान एवं आस्ट्रेलिया के क्षेत्र वृहद् वैश्विक बाज़ार हैं, क्योंकि इन प्रदेशों के लोगों की क्रय क्षमता अधिक है।

2. कच्चे माल की प्राप्ति तक अभिगम्यता उद्योग के लिए कच्चा माल अपेक्षाकृत सस्ता एवं सरलता से परिवहन योग्य होना चाहिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

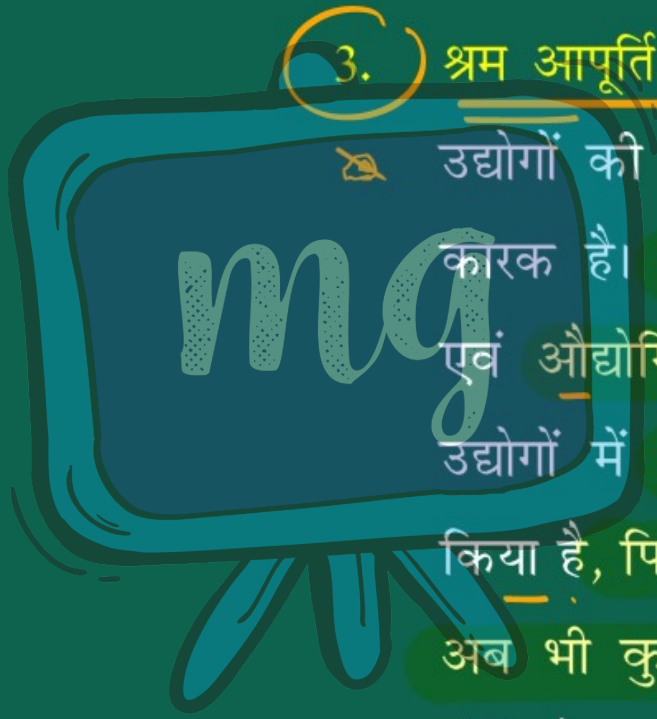
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- भारी वजन, सस्ते मूल्य एवं वजन घटने वाले पदार्थों (अयस्क) पर आधारित उद्योग कच्चे माल के स्रोत स्थल के समीप ही स्थित हैं, जैसे इस्पात, चीनी एवं सीमेंट उद्योग।
- कच्चे माल के स्रोतों के समीप स्थापित उद्योगों के लिए पदार्थ की शीघ्र नष्टशीलता एक अनिवार्य कारक है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



3. श्रम आपूर्ति तक अभिगम्यता

उद्योगों की अवस्थिति में श्रम एक प्रमुख कारक है। बढ़ते हुए यंत्रीकरण, स्वचलन एवं औद्योगिक प्रक्रिया के लचीलेपन ने उद्योगों में श्रमिकों पर निर्भरता को कम किया है, फिर भी कुछ प्रकार के उद्योगों में अब भी कुशल श्रमिकों की आवश्यकता होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. शक्ति के साधनों तक अभिगम्यता

- वे उद्योग जिनमें अधिक शक्ति की आवश्कता होती है वे ऊर्जा के स्रोतों के समीप लगाए जाते हैं, जैसे एल्यूमिनियम उद्योग। प्राचीन समय में कोयला प्रमुख शक्ति का साधन था पर आजकल जल विद्युत एवं खनिज तेल भी कई उद्योगों के लिए शक्ति का महत्त्वपूर्ण साधन है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. परिवहन एवं संचार की सुविधाओं तक अभिगम्यता

- कच्चे माल को कारखाने तक लाने के लिए और परिष्कृत सामग्री को बाज़ार तक पहुँचने के लिए तीव्र और सक्षम परिवहन सुविधाएँ औद्योगिक विकास के लिए अत्यावश्यक हैं।
- परिवहन लागत किसी औद्योगिक इकाई की अवस्थिति को निश्चित करने में महत्त्वपूर्ण कारक हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



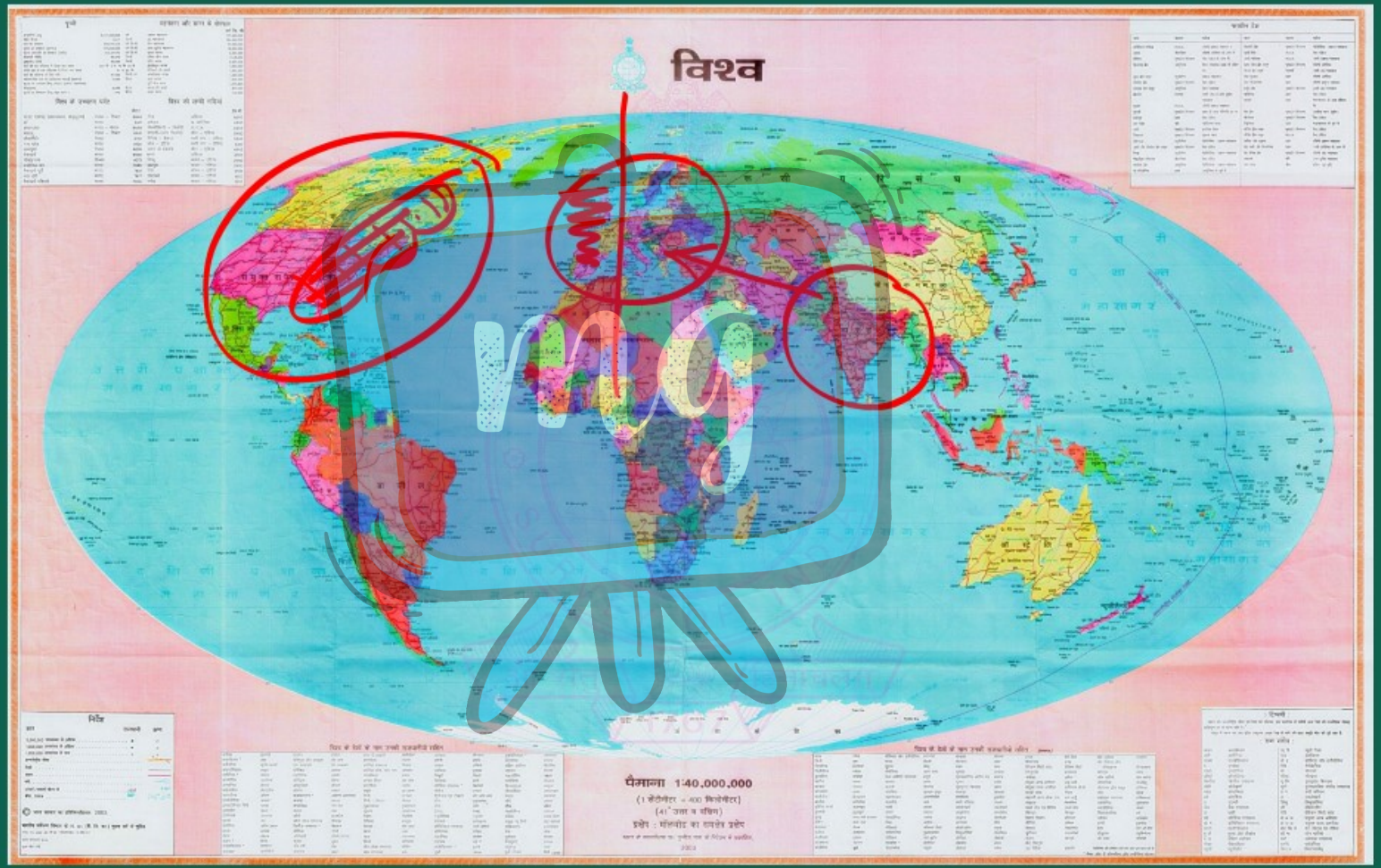
- पश्चिमी यूरोप एवं उत्तरी अमेरिका के पूर्वी भागों में अत्यधिक परिवहन तंत्र विकसित होने के कारण सदैव इन क्षेत्रों में उद्योगों का संकेंद्रण हुआ है।

6. सरकारी नीति

- संतुलित आर्थिक विकास हेतु सरकार प्रादेशिक नीति अपनाती है जिसके अंतर्गत विशिष्ट क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना की जाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

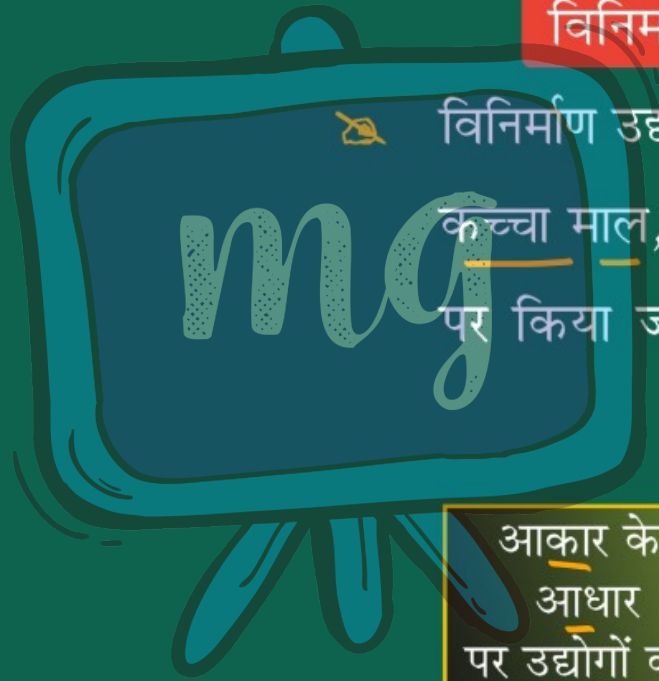


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

विनिर्माण उद्योगों का वर्गीकरण

विनिर्माण उद्योगों का वर्गीकरण उनके आकार, कच्चा माल, उत्पाद एवं स्वामित्व के आधार पर किया जाता है-



- आकार के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण
  - कुटीर / घरेलू उद्योग
  - छोटे पैमाने के उद्योग
  - बड़े पैमाने के उद्योग

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कुटीर उद्योग

यह निर्माण की सबसे छोटी इकाई है। इसमें शिल्पकार स्थानीय कच्चे माल का उपयोग करते हैं एवं साधारण औज़ारों द्वारा परिवार के सभी सदस्य मिलकर अपने दैनिक जीवन के उपभोग की वस्तुओं का उत्पादन करते हैं। तैयार माल का या तो वे स्वयं उपभोग करते है या इसे स्थानीय गाँव के बाज़ार में विक्रय कर देते हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- कभी ये अपने उत्पादों की अदला-बदली भी करते हैं। पूँजी एवं परिवहन इन उद्योगों को अधिक प्रभावित नहीं करते हैं क्योंकि इनके द्वारा निर्मित वस्तुओं का व्यापारिक महत्त्व कम होता है एवं अधिकतर उपकरण स्थानीय लोगों द्वारा निर्मित होते हैं।
- दैनिक जीवन के उपयोग में आने वाली वस्तुओं जैसे खाद्य पदार्थ, कपड़ा, चटाइयाँ, बर्तन, औज़ार, फर्नीचर, जूते एवं लघु मूर्तियाँ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

इसके अतिरिक्त पत्थर एवं मिट्टी के बर्तन एवं ईंट, चमड़े से कई प्रकार का सामान बनाया जाता है। सुनार सोना, चाँदी एवं ताँबे से आभूषण



बनाता है। कुछ शिल्प की वस्तुएँ बाँस एवं स्थानीय वन से प्राप्त लकड़ी से बनाई जाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

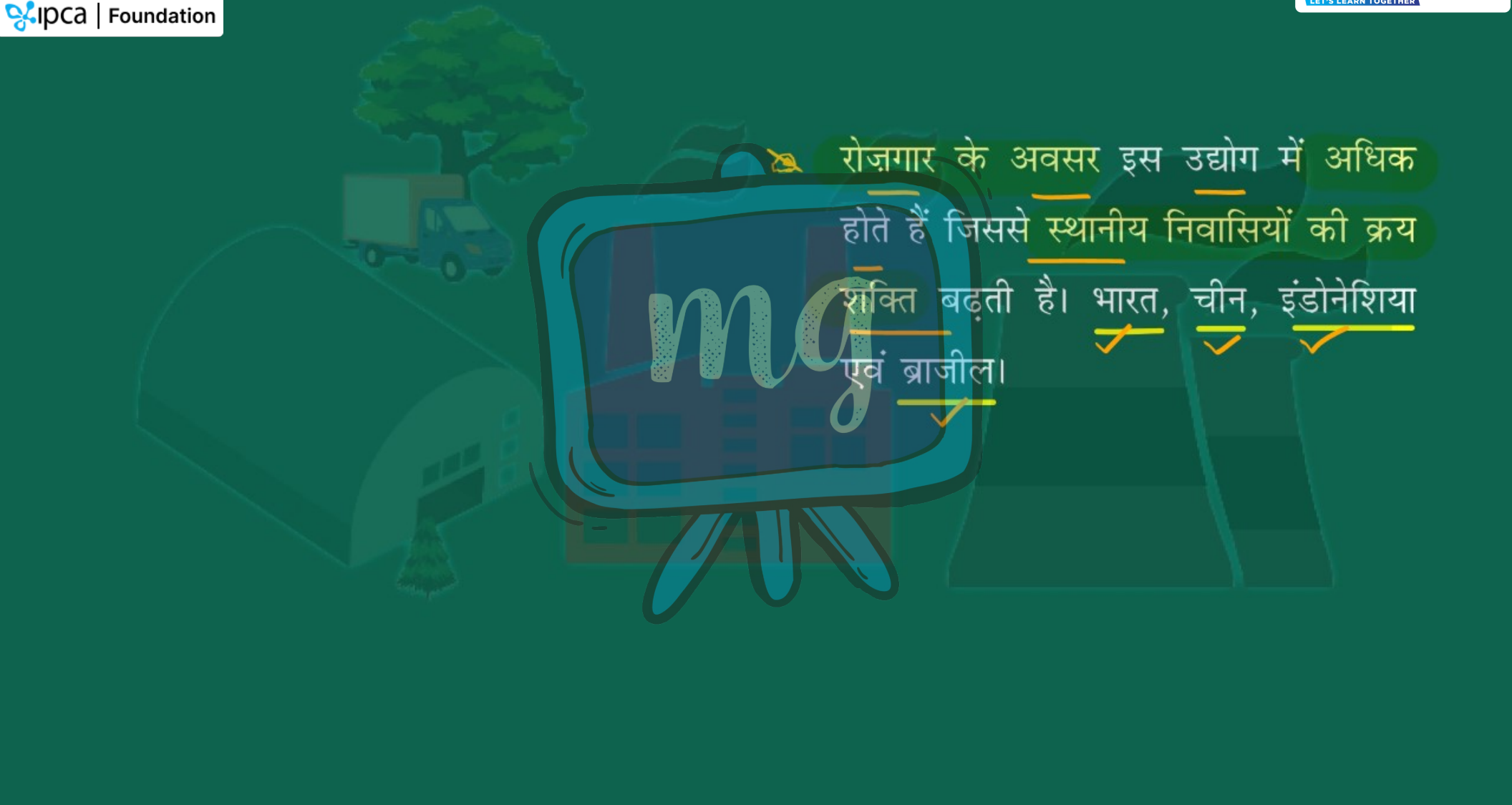
छोटे पैमाने के उद्योग

- यह कुटीर उद्योग से भिन्न है। इसके उत्पादन की तकनीक एवं निर्माण स्थल (घर से बाहर कारखाना) दोनों कुटीर उद्योग से भिन्न होते हैं।
- इसमें स्थानीय कच्चे माल का उपयोग होता है एवं अर्द्धकुशल श्रमिक व शक्ति के साधनों से चलने वाले यंत्रों का प्रयोग किया जाता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

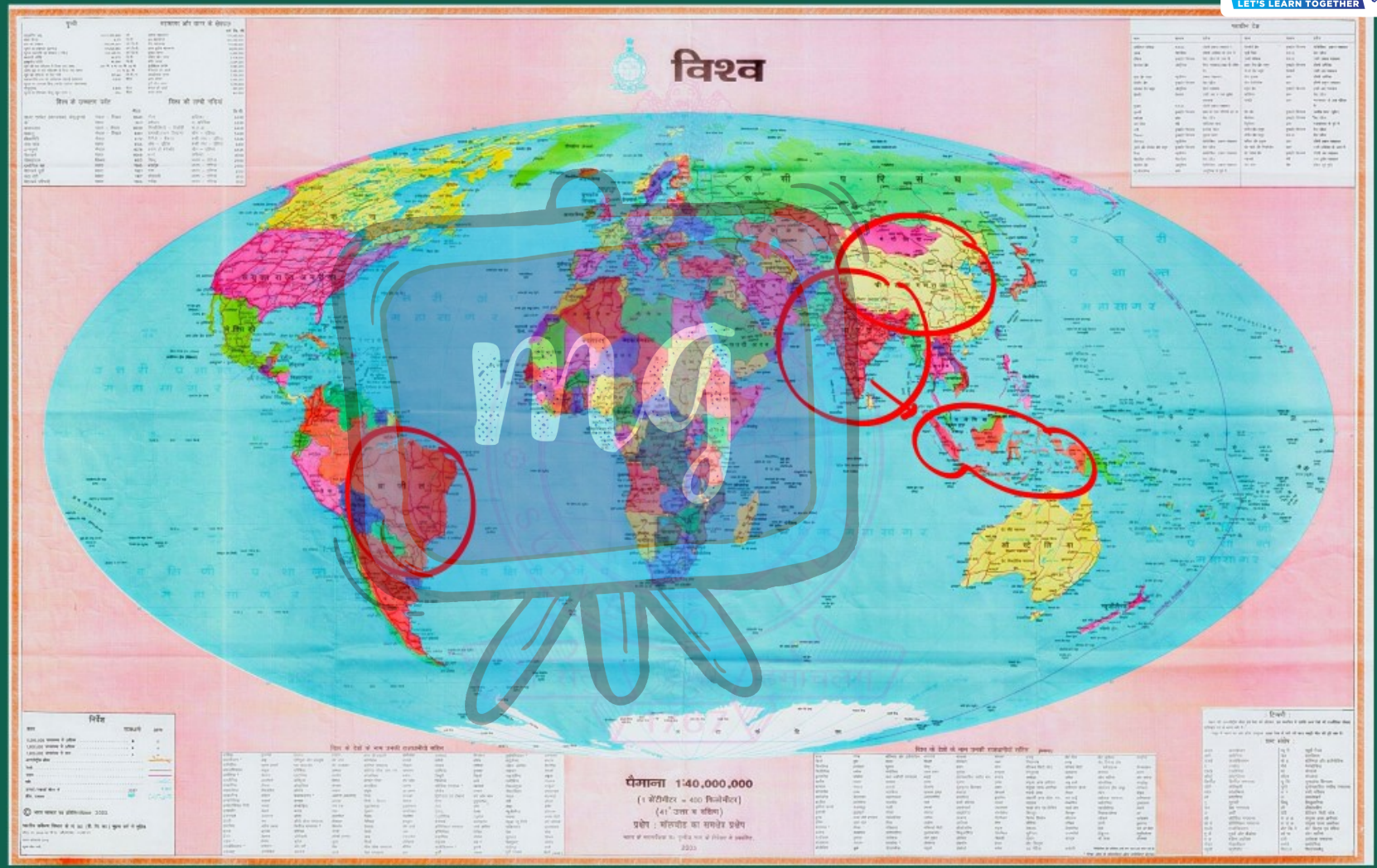
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



रोज़गार के अवसर इस उद्योग में अधिक होते हैं जिससे स्थानीय निवासियों की क्रय शक्ति बढ़ती है। भारत, चीन, इंडोनेशिया एवं ब्राजील।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

बड़े पैमाने के उद्योग

बड़े पैमाने के उद्योग के लिए विशाल बाज़ार, विभिन्न प्रकार का कच्चा माल, शक्ति के साधन, कुशल श्रमिक, विकसित प्रौद्योगिकी, अधिक उत्पादन एवं अधिक पूँजी की आवश्यकता होती है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



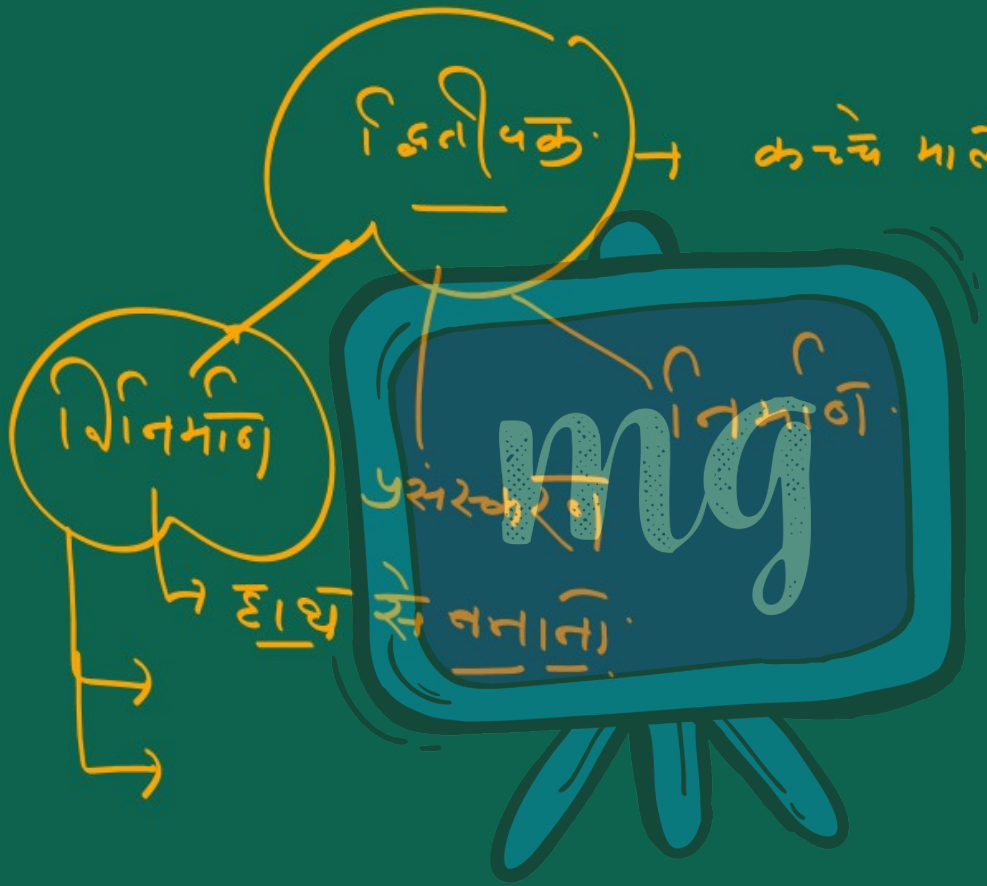
विश्व के प्रमुख औद्योगिक प्रदेशों को निर्माण के आधार पर दो बड़े समूहों में बाँटा जा सकता है–

(i) परंपरागत वृहत औद्योगिक प्रदेश जिनके समूह कुछ अधिक विकसित देशों में है।

(ii) उच्च प्रौद्योगिकी वाले वृहत औद्योगिक प्रदेश जिनका विस्तार कम विकसित देशों में हुआ है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

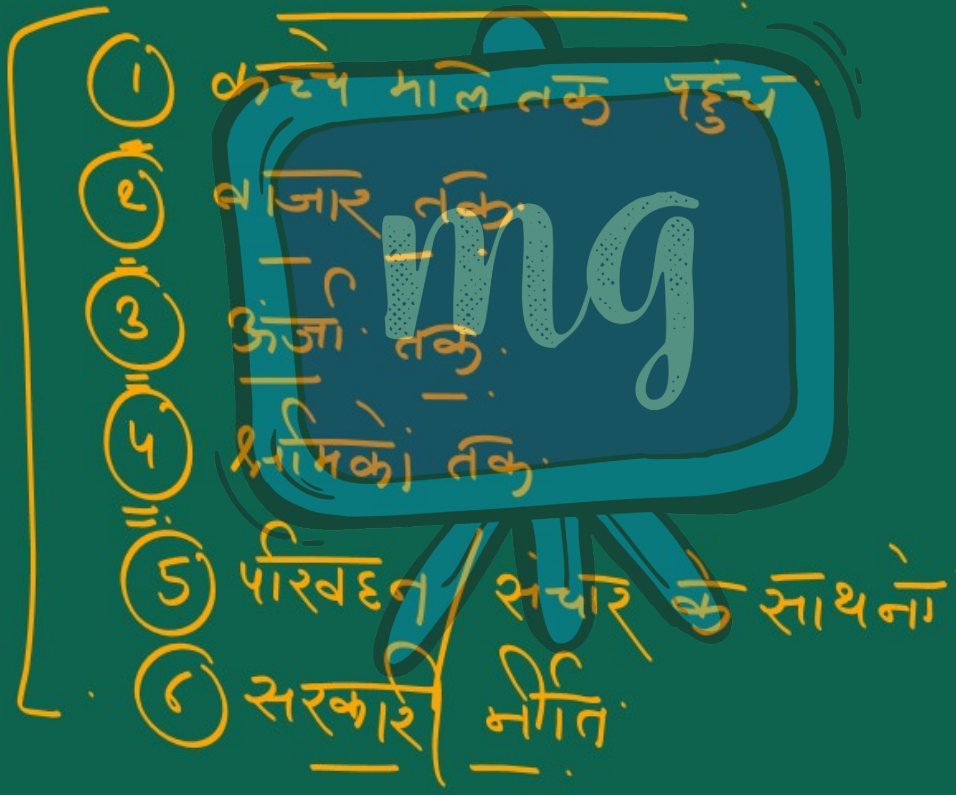
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

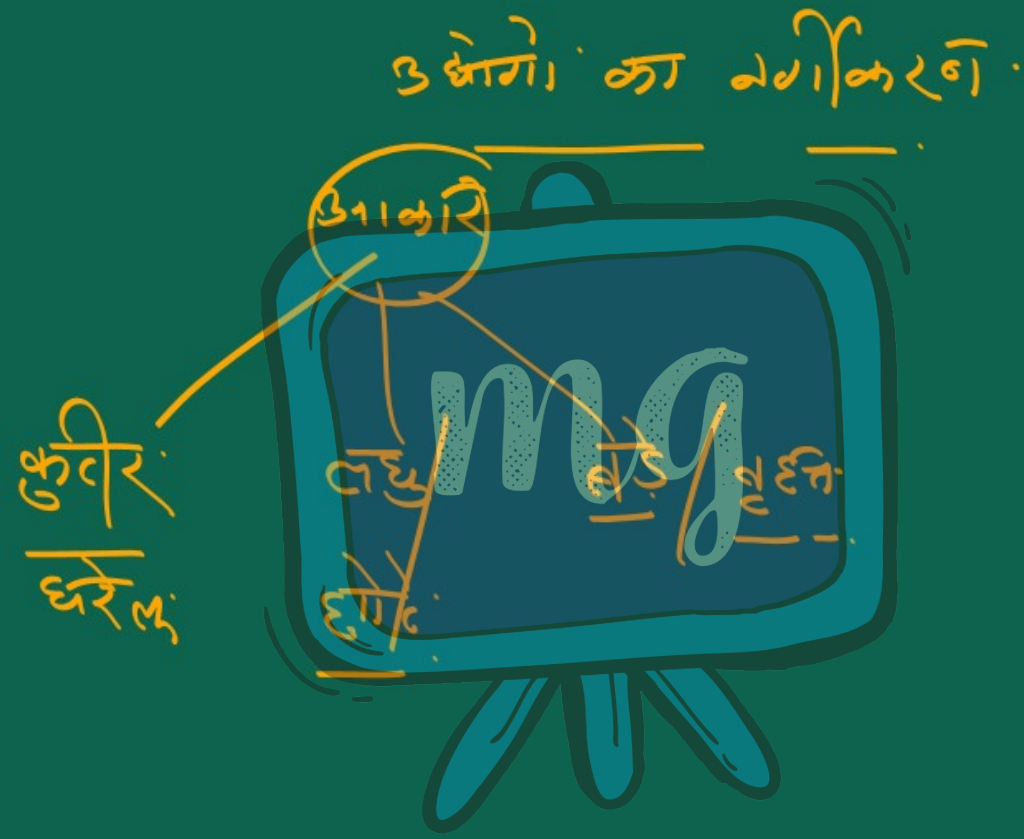
विनिर्माण को प्रभावित करने वाले कारक



1. कच्चे माल तक पहुंच
2. बाजार तक
3. ऊर्जा तक
4. श्रमिकों तक
5. परिवहन / संचार के साधनों
6. सरकार की नीति

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 3

बंधुत्व, जाति तथा वर्ग
आरंभिक समाज (600 ई.पू.-600 ई.)

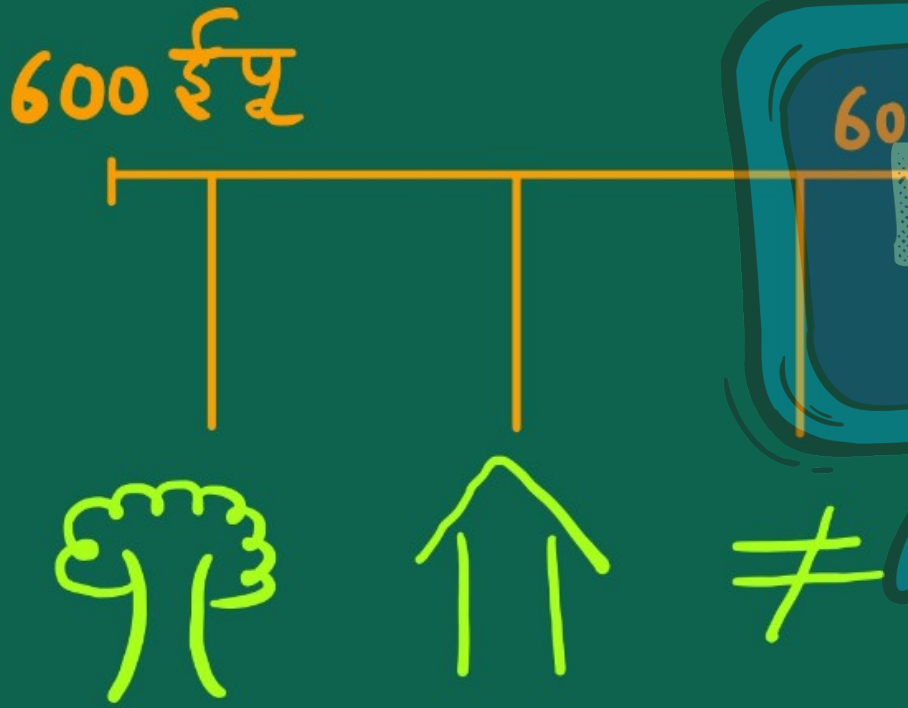
भाग - 1

आरम्भिक समाज की स्थिति

Pritesh Joshi

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



आरम्भिक समाज की स्थिति –

600 ई.पू. से 600 ईसवी तक आर्थिक और राजनीतिक जीवन में अनेक परिवर्तन हुए। इनमें से कुछ परिवर्तनों ने समकालीन समाज पर अपना प्रभाव छोड़ा।

जैसे –

(i) वन क्षेत्रों में कृषि का विस्तार हुआ जिससे लोगों की जीवनशैली में परिवर्तन हुआ।

(ii) शिल्प विशेषज्ञों के एक सामाजिक समूह का उदय हुआ।

(iii) संपत्ति के असमान वितरण ने सामाजिक विषमताओं को अधिक प्रखर बनाया। (बड़े जमींदार, किसान व श्रमिक वर्ग बनें)।

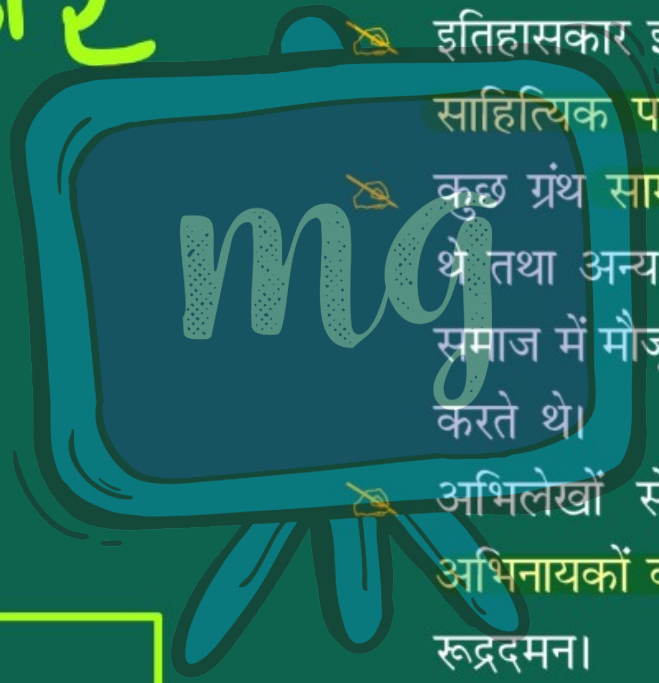
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

इतिहासकार

ग्रंथ

- सामाजिक मापदंड व्यवहार
- समाज का चित्रण



- इतिहासकार इन सब प्रक्रियाओं को समझने के लिए साहित्यिक परंपराओं का उपयोग करते हैं।
- कुछ ग्रंथ सामाजिक व्यवहार के मानदंड तय करते थे तथा अन्य ग्रंथ समाज का चित्रण करते थे और समाज में मौजूद रिवाजों पर अपनी टिप्पणी भी प्रस्तुत करते थे।
- अभिलेखों से हमें समाज के कुछ ऐतिहासिक अभिनायकों की झलक मिलती है। जैसे – असोक, रूद्रदमन।